



Microfinance Institutions Network (MFIN)

Sambandh Case Study, Chhattisgarh

Coverage Report

April 2019

Media Coverage Index

S. No.	Publication Name	Media
1.	Aaj ki Jandhara	Print
2.	Agradoot	Print
3.	Central Chronicle	Print
4.	Dabang Dunia	Print
5.	Hitavada	Print
6.	Kahi Ankahi	Print
7.	Patidin Rajdhani	Print
8.	Pioneer	Print
9.	Prakhar Samachar	Print
10.	Samvet Shikhar	Print
11.	Tarun Chhattisgarh	Print

Publication	Aaj ki Jandhara
Edition	Bilaspur
Date	6 th April, 2019
Page No.	04

माइक्रोफाइनेन्स महिला उद्यमियों को दे रहा है सहयोग

बिलासपुर। श्रीमति निर्मला सिंह छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में आदर्श नगर में रहती हैं। उनके परिवार में पांच सदस्य हैं। निर्मला हमेशा से कुछ ऐसा करना चाहती थीं कि अपने परिवार को आर्थिक सहयोग दे सकें। उसे पति साइकल रिपेयर की छोटी सी दुकान चलाते हैं। निर्मला को अपना काम शुरू करने के लिए पूंजी की ज़रूरत थी और वह ऋण के लिए आवेदन करना चाहती थी। लेकिन उचित दस्तावेज न होने के कारण उन्हें किसी भी बैंक से ऋण नहीं मिल पा रहा था। तभी उन्हें एक नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी- माइक्रो फाइनेन्स इंस्टीट्यूशन- संबंध फिन्सर्व के बारे में पता चला, जो उनके क्षेत्र में काम करती है तथा कम आय वर्ग वाले परिवारों को सूक्ष्म ऋण सुविधाएं मुहैया कराती है। निर्मला संबंध के आस्था रूप के साथ जुड़ गई और उन्होंने धन प्रबंधन पर प्रशिक्षण लेने के बाद 20,000 रु का पहला ऋण लिया, इससे उन्होंने स्टेशनरी-कम-फैंसी स्टोर शुरू किया। तब से निर्मला ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और लगातार अपना काम बढ़ा रही हैं। अब वे अपने परिवार की ज़रूरतों को पूरा कर पाती हैं। अब वे ऋण के तीसरे चक्र में हैं और अपनी दुकान का काम बढ़ाने के लिए रु 50,000 का ऋण ले चुकी हैं। आय बढ़ने के कारण अब वे अपने बच्चों को अच्छे स्कूल में भेज पाती हैं। निर्मला छत्तीसगढ़ की ऐसी कई

महिला उद्यमियों में से एक हैं जिन्हें संबंध फिन्सर्व से सहयोग मिला है और वे आत्मनिर्भर बन चुकी हैं तथा अपने परिवार की आय बढ़ाने में योगदान दे रही हैं। अपने ग्राहकों को आसान ऋण सुविधाएं उपलब्ध करके संबंध 15 लाख से अधिक लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पैदा कर चुका है। कंपनी पूर्वी भारत और छत्तीसगढ़ के 24 जिलों में सूक्ष्म ऋण सुविधाएं मुहैया कराती है। कंपनी ने कई स्थानीय महिला उद्यमियों को उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने में मदद की है। उनके सपनों को साकार कर उनके जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाया है। एक स्व-विनियामक संगठन तथा माइक्रो-फाइनेन्स उद्योग के औद्योगिक संगठन, माइक्रो-फाइनेन्स इंस्टीट्यूशन नेटवर्क के अनुसार महिलाएं देश में सूक्ष्म-ऋण लाभार्थियों का 99 फीसदी हिस्सा बनाती हैं। सूक्ष्म ऋण उपलब्ध कराने वाले संस्थान जैसे एनबीएफसी, बैंक, एनबीएफसी-एमएफआई, छोटे फाइनेन्स बैंक आदि भारत के उन समुदायों के आसान ऋण सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं जो आज भी बैंकिंग सेवाओं से वंचित हैं। एनबीएफसी-एमएफआई देश के एकमात्र विनियमित वित्तीय संस्थान हैं जो कम आय वर्ग वाले परिवारों को असुरक्षित ऋण प्रदान करते हैं। यह संस्थान महिलाओं के लिए ऋण की अनुपलब्धता की समस्या को दूर करते हैं।

Publication	Agradoot
Edition	Bilaspur
Date	5 th April, 2019
Page No.	08

माइक्रोफाइनेन्स महिला उद्यमियों को दे रहा है सहयोग

बिलासपुर। श्रीमति निर्मला सिंह छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में आदर्श नगर में रहती हैं। उनके परिवार में पांच सदस्य हैं। निर्मला हमेशा से कुछ ऐसा करना चाहती थीं कि अपने परिवार को आर्थिक सहयोग दे सकें। उसे पति साइकल रिपेयर की छोटी सी दुकान चलाते हैं। निर्मला को अपना काम शुरू करने के लिए पूंजी की जरूरत थी और वह ऋण के लिए आवेदन करना चाहती थी। लेकिन उचित दस्तावेज न होने के कारण उन्हें किसी भी बैंक से ऋण नहीं मिल पा रहा था। तभी उन्हें एक नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी-माइक्रो फाइनेन्स इंस्टीट्यूशन-संबंध फिनिशर्स के बारे में पता चला, जो उनके क्षेत्र में काम करती है तथा कम आय वर्ग वाले परिवारों को सूक्ष्म ऋण सुविधाएं मुहैया कराती है। निर्मला संबंध के आस्था रूप के साथ जुड़ गई और उन्होंने धन प्रबंधन पर प्रशिक्षण लेने के बाद 20,000 रु का पहला ऋण लिया, इससे उन्होंने स्टेशनरी-कम-फैंसी स्टोर शुरू किया। तब से निर्मला ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और लगातार अपना काम बढ़ा रही हैं।

Publication	Central Chronicle
Edition	Bilaspur
Date	5 th April, 2019
Page No.	15

Women entrepreneurs contribute to family income

• Receives financial support

Central Chronicle News

Bilaspur, Apr 04: Ms. Nirmala Singh lives with her family of five in Adarsh Nagar locality that comes under Bilaspur.. Nirmala always wanted to do something on her own so that she can contribute to the family income and support her husband who runs a small bicycle repairing shop. She needed some capital to start her own business and wanted to apply for a credit. But due to lack of document proofs strictly required by banks for a loan she was not able to get any credit from any bank.

She came to know about Sambandh Finserve, a Non-banking Financial Company- Microfinance Institution (NBFC-MFI), that works in her area and provides micro credit to low income households. Nirmala joined Sambandh's ASTHA group and after receiving training on money management she took her first

loan of Rs 20,000 to start stationary-cum-fancy store. Since then Nirmala hasn't looked back and has devoted time towards the expansion pf her business which has paid off quite well for her and her family. Currently she is into her 3rd loan cycle and has taken Rs. 50,000 to increase her stock in shop due to increasing demands from customers. With the increased income she able to send her children to a good school thanks Sambandh for the timely assistance and sharing the knowledge on household budgeting as well as savings that helped her in taking wise decisions with respect to managing her funds.

Nirmala is one of the many women entrepreneurs in Chhattisgarh who were supported by Sambandh Finserve in their endeavour to become independent and contribute to their family income. In its efforts to provide easy access to financial services to its clients Sambandh has impacted over 15 lakh lives.

Publication	Dabang Dunia
Edition	Bilaspur
Date	5 th April, 2019
Page No.	04

माइक्रोफाइनेन्स महिला उद्यमियों को दे रहा है सहयोग

बिलासपुर। श्रीमति निर्मला सिंह छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में आदर्श नगर में रहती हैं। उनके परिवार में पांच सदस्य हैं। निर्मला हमेशा से कुछ ऐसा करना चाहती थीं कि अपने परिवार को आर्थिक सहयोग दे सकें। उसे पति साइकल रिपेयर की छोटी सी दुकान चलाते हैं। निर्मला को अपना काम शुरू करने के लिए पूंजी की जरूरत थी और वह ऋण के लिए आवेदन करना चाहती थी। लेकिन उचित दस्तावेज न होने के कारण उन्हें किसी भी बैंक से ऋण नहीं मिल पा रहा था।

तभी उन्हें एक नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी- माइक्रो फाइनेन्स इंस्टीट्यूशन- संबंध फिनसर्व के बारे में पता चला, जो उनके क्षेत्र में काम करती है तथा कम आय वर्ग वाले परिवारों को सूक्ष्म ऋण सुविधाएं मुहैया कराती है। निर्मला संबंध के आस्था ग्रुप के साथ जुड़ गईं और उन्होंने धन प्रबंधन पर प्रशिक्षण लेने के बाद 20,000 रु का पहला ऋण लिया, इससे उन्होंने स्टेशनरी-कम-फैसी स्टोर शुरू किया। तब से निर्मला ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और लगातार अपना काम बढ़ा रही हैं। अब वे अपने परिवार की जरूरतों को पूरा

कर पाती हैं। अब वे ऋण के तीसरे चक्र में हैं और अपनी दुकान का काम बढ़ाने के लिए रु 50,000 का ऋण ले चुकी हैं। आय बढ़ने के कारण अब वे अपने बच्चों को अच्छे स्कूल में भेज पाती हैं। निर्मला छत्तीसगढ़ की ऐसी कई महिला उद्यमियों में से एक हैं जिन्हें संबंध फिनसर्व से सहयोग मिला है और वे आत्मनिर्भर बन चुकी हैं तथा अपने परिवार की आय बढ़ाने में योगदान दे रही हैं। अपने ग्राहकों को आसान ऋण सुविधाएं उपलब्ध करके संबंध 15 लाख से अधिक लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पैदा कर चुका है। कंपनी पूर्वी भारत और छत्तीसगढ़ के 24 जिलों में सूक्ष्म ऋण सुविधाएं मुहैया कराती है। कंपनी ने कई स्थानीय महिला उद्यमियों को उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने में मदद की है। उनके सपनों को साकार कर उनके जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाया है। एक स्व-विनियामक संगठन तथा माइक्रो-फाइनेन्स उद्योग के औद्योगिक संगठन, माइक्रो-फाइनेन्स इंस्टीट्यूशन नेटवर्क के अनुसार महिलाएं देश में सूक्ष्म-ऋण लाभार्थियों का 99 फीसदी हिस्सा बनाती हैं।

Publication	Hitavada
Edition	Bilaspur
Date	5 th April, 2019
Page No.	04

Microfinance lends support to women entrepreneurs

■ **Staff Reporter**

RAIPUR, Apr 4

NIRMALA Singh, a women entrepreneur has become economically self dependent and contributes to her family income with support extended by Sambandh Finserve.

Living with her family of five in Adarsh Nagar locality of Bilaspur, she always wanted to do something on her own so that she can contribute to the family income and support her husband who runs a small bicycle repairing shop.

She came to know about Sambandh Finserve, a non-banking financial company 'Microfinance Institution' (NBFC-MFI) that works in her area and provides micro credit to low income households. Nirmala joined Sambandh's Astha Group and after receiving training on money management she took her first loan of Rs 20,000 to start stationary-cum-fancy store. Since then Nirmala hasn't looked back and has devoted time towards the expansion of her business which has paid off quite well for her and her family.

Currently she is into her 3rd loan cycle and has taken Rs 50,000 to increase her stock in shop due to increasing demands from customers. With the increased income she is able to send her children to a good school thanks to Sambandh for the timely assistance and sharing the knowledge on household budgeting as well as savings that helped her in taking wise decisions with respect to managing her funds.

Nirmala is one among the many women entrepreneurs in Chhattisgarh who were supported by Sambandh Finserve in their endeavour to become independent and contribute to their family income.

In its efforts to provide easy access to financial services to its clients, Sambandh has impacted over 15 lakh lives.

The company provides micro-credit services in 24 districts in Chhattisgarh and Eastern India. The company has helped many local women entrepreneurs to improve their economic status and realise their dreams to improve their quality of life.

Publication	Kahi Ankahi
Edition	Bilaspur
Date	6 th April, 2019
Page No.	03

माइक्रोफाइनेन्स महिला उद्यमियों को दे रहा है सहयोग

बिलासपुर। श्रीमति निर्मला सिंह छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में आदर्श नगर में रहती हैं। उनके परिवार में पांच सदस्य हैं। निर्मला हमेशा से कुछ ऐसा करना चाहती थीं कि अपने परिवार को आर्थिक सहयोग दे सकें। उसे पति साइकल रिपेयर की छोटी सी दुकान चलाते हैं। निर्मला को अपना काम शुरू करने के लिए पूंजी की जरूरत थी और वह ऋण के लिए आवेदन करना चाहती थी। लेकिन उचित दस्तावेज न होने के कारण उन्हें किसी भी बैंक से ऋण नहीं मिल पा रहा था। तभी उन्हें एक नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी- माइक्रो फाइनेन्स इंस्टीट्यूशन- संबंध फिनसर्व के बारे में पता चला, जो उनके क्षेत्र में काम करती है तथा कम आय वर्ग वाले परिवारों को सूक्ष्म ऋण सुविधाएं मुहैया कराती है। निर्मला संबंध के आस्था रूप के साथ जुड़ गईं और उन्होंने धन प्रबंधन पर प्रशिक्षण लेने के बाद 20,000 रु का पहला ऋण लिया। इससे उन्होंने स्टेशनरी-कम-फैसी स्टोर शुरू किया। तब से निर्मला ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और लगातार अपना काम बढ़ा रही हैं। अब वे अपने परिवार की जरूरतों को पूरा कर पाती हैं। अब वे ऋण के तीसरे चक्र में हैं और अपनी दुकान का काम बढ़ाने के लिए रु 50,000 का ऋण ले चुकी हैं।

Publication	Pratidin Rajdhani
Edition	Bilaspur
Date	5 th April, 2019
Page No.	08

माइक्रोफाइनेन्स महिला उद्यमियों को दे रहा है सहयोग

प्रतिदिन राजधानी, बिलासपुर श्रीमति निर्मला सिंह छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में आदर्श नगर में रहती हैं। उनके परिवार में पांच सदस्य हैं। निर्मला हमेशा से कुछ ऐसा करना चाहती थीं कि अपने परिवार को आर्थिक सहयोग दे सकें। उसे पति साइकल रिपेयर की छोटी सी दुकान चलाते हैं। निर्मला को अपना काम शुरू करने के लिए पूंजी की जरूरत थी और वह ऋण के लिए आवेदन करना चाहती थी। लेकिन उचित दस्तावेज न होने के कारण उन्हें किसी भी बैंक से ऋण नहीं मिल पा रहा था।

तभी उन्हें एक नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी- माइक्रो फाइनेन्स इंस्टीट्यूशन- संबंध फिन्सर्व के बारे में पता चला, जो उनके क्षेत्र में काम करती है तथा कम आय वर्ग वाले परिवारों को सूक्ष्म ऋण सुविधाएं मुहैया कराती है। निर्मला संबंध के आस्था रूप के साथ जुड़ गईं और उन्होंने धन प्रबंधन पर प्रशिक्षण लेने के बाद 20,000 रु का पहला

ऋण लिया, इससे उन्होंने स्टेशनरी-कम-फेंसी स्टोर शुरू किया। तब से निर्मला ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और लगातार अपना काम बढ़ा रही हैं। अब वे अपने परिवार की जरूरतों को पूरा कर पाती हैं। अब वे ऋण के तीसरे चक्र में हैं और अपनी दुकान का काम बढ़ाने के लिए रु 50,000 का ऋण ले चुकी हैं। आय बढ़ने के कारण अब वे अपने बच्चों को अच्छे स्कूल में भेज पाती हैं।

निर्मला छत्तीसगढ़ की ऐसी कई महिला उद्यमियों में से एक हैं जिन्हें संबंध फिन्सर्व से सहयोग मिला है और वे आत्मनिर्भर बन चुकी हैं तथा अपने परिवार की आय बढ़ाने में योगदान दे रही हैं। अपने ग्राहकों को आसान ऋण सुविधाएं उपलब्ध करके संबंध 15 लाख से अधिक लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पैदा कर चुका है। कंपनी पूर्वी भारत और छत्तीसगढ़ के 24 जिलों में सूक्ष्म ऋण सुविधाएं मुहैया कराती है। कंपनी ने कई



MICROFINANCE INSTITUTIONS NETWORK

स्थानीय महिला उद्यमियों को उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने में मदद की है। उनके सपनों को साकार कर उनके जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाया है।

एक स्व-विनियामक संगठन तथा माइक्रो-फाइनेन्स उद्योग के औद्योगिक संगठन, माइक्रो-फाइनेन्स इंस्टीट्यूशन नेटवर्क के अनुसार महिलाएं देश में सूक्ष्म-ऋण लाभार्थियों का 99 फीसदी हिस्सा बनाती हैं। सूक्ष्म ऋण उपलब्ध कराने वाले संस्थान

जैसे एनबीएफसी, बैंक, एनबीएफसी-एमएफआई, छोटे फाइनेन्स बैंक आदि भारत के उन समुदायों के आसान ऋण सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं जो आज भी बैंकिंग सेवाओं से वंचित हैं।

एनबीएफसी-एमएफआई देश के एकमात्र विनियमित वित्तीय संस्थान हैं जो कम आय वर्ग वाले परिवारों को असुरक्षित ऋण प्रदान करते हैं। यह संस्थान महिलाओं के लिए ऋण की अनुपलब्धता की समस्या को दूर करते हैं, जिनके पास ऋण लेने

के लिए किसी सिक्योरिटी या गिरवी रखने के लिए किसी तरह की सम्पत्ति नहीं होती। इस तरह दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों के ग्राहकों को आसान फाइनेंशियल सेवाएं उपलब्ध कराकर ये संस्थान सरकार के वित्तीय समावेशन एजेंडा को प्रोत्साहित कर रहे हैं।

एनबीएफसी-एमएफआई प्रधानमंत्री की मुद्रा योजना के मुख्य साझेदार हैं तथा इस प्रोग्राम के तहत लगभग 50 फीसदी ऋण वितरण माइक्रोफाइनेन्स कंपनियों के माध्यम से किया गया है। एनबीएफसी-एमएफआई आरबीआई के साथ पंजीकृत हैं तथा इसके तहत ऋण की राशि, अवधि, ब्याज, आदि का निर्धारण निष्पक्ष प्रथाओं, श्रेष्ठ च्वाइसपबले ब्वकम, च्छद्म दक, द प्दकनजतल ब्वकम वी ब्वदकनबज ब्वदद्द के द्वारा किया जाता है। रिजर्व बैंक सभी एनबीएफसी-एमएफआई का नियमित पर्यवेक्षण करता है।

Publication	Pioneer Hindi
Edition	Bilaspur
Date	5 th April, 2019
Page No.	12

माइक्रो फाइनेन्स महिला उद्यमियों को दे रहा है सहयोग

पायनियर संवाददाता बिलासपुर
www.daily-pioneer.com

निर्मला सिंह छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में आदर्श नगर में रहती हैं। उनके परिवार में पांच सदस्य हैं। निर्मला हमेशा से कुछ ऐसा करना चाहती थीं कि अपने परिवार को आर्थिक सहयोग दे सकें। उसे पति साइकिल रिपेयर की छोटी सी दुकान चलाते हैं। निर्मला को अपना काम शुरू करने के लिए पूंजी की जरूरत थी और वह ऋण के लिए आवेदन करना चाहती थी। लेकिन उचित दस्तावेज न होने के कारण उन्हें किसी भी बैंक से ऋण नहीं मिल पा रहा था।

तभी उन्हें एक नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी- माइक्रो

फाइनेन्स इंस्टीट्यूशन-संबंधित नर्स के बारे में पता चला, जो उनके क्षेत्र में काम करती हैं तथा कम आय वर्ग वाले परिवारों को सूक्ष्म ऋण सुविधाएं मुहैया कराती हैं। निर्मला संबंध के आस्था ग्रुप के साथ जुड़ गई और उन्होंने धन प्रबंधन पर

प्रशिक्षण लेने के बाद 20,000 रु का पहला ऋण लिया, इससे उन्होंने स्टेशनरी-कम-फैली स्टोर शुरू किया। तब से निर्मला ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और लगातार अपना काम बढ़ा रही हैं। अब वे अपने परिवार की जरूरतों को पूरा कर पाती हैं। अब वे ऋण के तीसरे चक्र में हैं और अपनी दुकान का काम बढ़ाने के लिए रु 50,000 का ऋण ले चुकी हैं। आय बढ़ने के कारण अब वे अपने बच्चों को अच्छे स्कूल में भेज पाती हैं। निर्मला छत्तीसगढ़ की ऐसी कई महिला उद्यमियों में से एक हैं जिन्हें संबंध फिनसर्व से सहयोग मिला है और वे आत्मनिर्भर बन चुकी हैं तथा अपने परिवार की आय बढ़ाने में योगदान दे रही हैं।

आपने गाइडों को आसान ऋण सुविधाएं उपलब्ध करके संबंध 15 लाख से अधिक लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पैदा कर चुका है। कंपनी पूर्वी भारत और छत्तीसगढ़ के 24 जिलों में सूक्ष्म ऋण सुविधाएं मुहैया कराती है। कंपनी ने कई स्थानीय महिला उद्यमियों को उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने में मदद की है। उनके सपनों को साकार कर उनके जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाया है।

Publication	Prakhar Samachar
Edition	Bilaspur
Date	4 th April, 2019
Page No.	06

माइक्रोफाइनेन्स महिला उद्यमियों को दे रहा है सहयोग

बिलासपुर (प्रखर) श्रीमति निर्मला सिंह छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में आदर्श नगर में रहती हैं। उनके परिवार में पांच सदस्य हैं। निर्मला हमेशा से कुछ ऐसा करना चाहती थीं कि अपने परिवार को आर्थिक सहयोग दे सकें। उसे पति साइकल रिपेयर की छोटी सी दुकान चलते हैं। निर्मला को अपना काम शुरू करने के लिए पूंजी की जरूरत थी और वह ऋण के लिए आवेदन करना चाहती थी। लेकिन उचित दस्तावेज न होने के कारण उन्हें किसी भी बैंक से ऋण नहीं मिल पा रहा था।

तभी उन्हें एक नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी- माइक्रो फाइनेन्स इंस्टीट्यूशन- संबंध फिनसर्व के बारे में पता चला, जो उनके क्षेत्र में काम करती है तथा कम आय

वर्ग वाले परिवारों को सूक्ष्म ऋण सुविधाएं मुहैया कराती है। निर्मला संबंध के आस्था रूप के साथ जुड़ गईं और उन्होंने धन प्रबंधन पर प्रशिक्षण लेने के बाद 20,000 रु का पहला ऋण लिया, इससे उन्होंने स्टेशनरी-कम-फैसी स्टोर शुरू किया। तब से निर्मला ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और लगातार अपना काम बढ़ा रही हैं। अब वे अपने परिवार की जरूरतों को पूरा कर पाती हैं। अब वे ऋण के तीसरे चक्र में हैं और अपनी दुकान का काम बढ़ाने के लिए रु 50,000 का ऋण ले चुकी हैं। आय बढ़ने के कारण अब वे अपने बच्चों को अच्छे स्कूल में भेज पाती हैं।

निर्मला छत्तीसगढ़ की ऐसी कई महिला उद्यमियों में से एक हैं जिन्हें संबंध फिनसर्व

से सहयोग मिला है और वे आत्मनिर्भर बन चुकी हैं तथा अपने परिवार की आय बढ़ाने में योगदान दे रही हैं। अपने ग्राहकों को आसान ऋण सुविधाएं उपलब्ध करके संबंध 15 लाख से अधिक लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पैदा कर चुका है। कंपनी पूर्वी भारत और छत्तीसगढ़ के 24 जिलों में सूक्ष्म ऋण सुविधाएं मुहैया कराती है। कंपनी ने कई स्थानीय महिला उद्यमियों को उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने में मदद की है। उनके सपनों को साकार कर उनके जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाया है।

एक स्व-विनियामक संगठन तथा माइक्रो-फाइनेन्स उद्योग के औद्योगिक संगठन, माइक्रो-फाइनेन्स इन्स्टीट्यूशन नेटवर्क के अनुसार महिलाएं देश में सूक्ष्म-

ऋण लाभार्थियों का 99 फीसदी हिस्सा बनाती हैं। सूक्ष्म ऋण उपलब्ध कराने वाले संस्थान जैसे एनबीएफसी, बैंक, एनबीएफसी-एमएफआई, छोटे फाइनेन्स बैंक आदि भारत के उन समुदायों के आसान ऋण सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं जो आज भी बैंकिंग सेवाओं से वंचित हैं।

एनबीएफसी-एमएफआई देश के एकमात्र विनियमित वित्तीय संस्थान हैं जो कम आय वर्ग वाले परिवारों को असुरक्षित ऋण प्रदान करते हैं। यह संस्थान महिलाओं के लिए ऋण की अनुपलब्धता की समस्या को दूर करते हैं, जिनके पास ऋण लेने के लिए किसी सिक्मोरिटी या गिरवी रखने के लिए किसी तरह की सम्पत्ति नहीं होती। इस तरह दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों के

ग्राहकों को आसान फाइनेंशियल सेवाएं उपलब्ध कराकर ये संस्थान सरकार के वित्तीय समावेशन एजेंडा को प्रोत्साहित कर रहे हैं।

एनबीएफसी-एमएफआई प्रधानमंत्री की मुद्रा योजना के मुख्य साझेदार हैं तथा इस प्रोग्राम के तहत लगभग 50 फीसदी ऋण वितरण माइक्रोफाइनेन्स कंपनियों के माध्यम से किया गया है। एनबीएफसी-एमएफआई आरबीआई के साथ पंजीकृत हैं तथा इसके तहत ऋण की राशि, अवधि, व्याज, आदि का निर्धारण निष्पक्ष प्रथाओं, छुपत चं व जपवमे ब्वकम ;ध्वद्ध दक द प्दकनेजतल ब्वकम वा ब्वदकनबज ,ब्वद्धद के द्वारा किया जाता है। रिजर्व बैंक सभी एनबीएफसी-एमएफआई का नियमित पर्यवेक्षण करता है।

Publication	Samvet Shikhar
Edition	Bilaspur
Date	5 th April, 2019
Page No.	09

माइक्रो फाइनेंस फिनसर्व महिला उद्यमियों को दे रहा है सहयोग

बिलासपुर। निर्मला सिंह छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में आदर्श नगर में रहती हैं। उनके परिवार में पांच सदस्य हैं। निर्मला हमेशा से कुछ ऐसा करना चाहती थीं कि अपने परिवार को आर्थिक सहयोग दे सकें। उसे पति साइकल रिपेयर की छोटी सी दुकान चलाते हैं। निर्मला को अपना काम शुरू करने के लिए पूंजी की जरूरत थी और वह ऋण के लिए आवेदन करना चाहती थी। लेकिन उचित दस्तावेज न होने के कारण उन्हें किसी भी बैंक से ऋण नहीं मिल पा रहा था।

तभी उन्हें एक नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी- माइक्रो फाइनेंस इंस्टीट्यूशन- संबंध फिनसर्व के बारे में पता चला, जो उनके क्षेत्र में काम करती है तथा कम आय वर्ग वाले परिवारों को सूक्ष्म ऋण सुविधाएं मुहैया कराती है। निर्मला संबंध के आस्था मरूप के साथ जुड़ गई और उन्होंने धन प्रबंधन पर प्रशिक्षण लेने के बाद 20,000 रु का पहला ऋण लिया, इससे उन्होंने स्टेशनरी-कम-फैंसी स्टोर शुरू किया। तब से निर्मला ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और



लगातार अपना काम बढ़ा रही हैं। अब वे अपने परिवार की जरूरतों को पूरा कर पाती हैं। अब वे ऋण के तीसरे चक्र में हैं और अपनी दुकान का काम बढ़ाने के लिए रु 50,000 का ऋण ले चुकी हैं। आय बढ़ने के कारण अब वे अपने बच्चों को अच्छे स्कूल में भेज पाती हैं। निर्मला छत्तीसगढ़ की ऐसी कई महिला उद्यमियों में से एक हैं जिन्हें संबंध फिनसर्व से सहयोग मिला है और वे आत्मनिर्भर बन चुकी हैं तथा अपने परिवार की आय बढ़ाने में योगदान दे रही हैं। अपने ग्राहकों को आसान ऋण सुविधाएं उपलब्ध करकर संबंध 15 लाख से अधिक लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पैदा कर चुका है। कंपनी पूर्वी भारत और छत्तीसगढ़ के 24

ज़िलों में सूक्ष्म ऋण सुविधाएं मुहैया कराती है। कंपनी ने कई स्थानीय महिला उद्यमियों को उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने में मदद की है। उनके सपनों को साकार कर उनके जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाया है। एक स्व-विनियामक संगठन तथा माइक्रो-फाइनेंस उद्योग के औद्योगिक संगठन, माइक्रो-फाइनेंस इंस्टीट्यूशन नेटवर्क के अनुसार महिलाएं देश में सूक्ष्म-ऋण लाभार्थियों का 99 फीसदी हिस्सा बनाती हैं। सूक्ष्म ऋण उपलब्ध कराने वाले संस्थान जैसे एनबीएफसी, बैंक, एनबीएफसी-एमएफआई, छोटे फाइनेंस बैंक आदि भारत के उन समुदायों के आसान ऋण सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं जो आज भी बैंकिंग सेवाओं से वंचित हैं। एनबीएफसी-एमएफआई देश के एकमात्र विनियमित वित्तीय संस्थान हैं जो कम आय वर्ग वाले परिवारों को असुरक्षित ऋण प्रदान करते हैं। यह संस्थान महिलाओं के लिए ऋण की अनुपलब्धता की समस्या को दूर करते हैं, जिनके पास ऋण लेने के लिए किसी सिक्योरिटी या गिरवी रखने के लिए किसी तरह की सम्पत्ति नहीं होती।

Publication	Tarun Chhattisgarh
Edition	Bilaspur
Date	4 th April, 2019
Page No.	06

माइक्रोफाइनेन्स महिला उद्यमियों को दे रहा है सहयोग

बिलासपुर, 4 अप्रैल। श्रीमति निर्मला सिंह छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में आदर्श नगर में रहती हैं। उनके परिवार में पांच सदस्य हैं। निर्मला हमेशा से कुछ ऐसा करना चाहती थीं कि अपने परिवार को आर्थिक सहयोग दे सकें। उसे पति साइकल रिपेयर की छोटी सी दुकान चलाते हैं। निर्मला को अपना काम शुरू करने के लिए पूंजी की जरूरत थी और वह ऋण के लिए आवेदन करना चाहती थी। लेकिन उचित दस्तावेज न होने के कारण उन्हें किसी भी बैंक से ऋण नहीं मिल पा रहा था।

तभी उन्हें एक नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी- माइक्रो फाइनेन्स इंस्टीट्यूशन- संबंध

फिंसर्व के बारे में पता चला, जो उनके क्षेत्र में काम करती है तथा कम आय वर्ग वाले परिवारों को सूक्ष्म ऋण सुविधाएं मुहैया कराती हैं। निर्मला संबंध के आस्था रूप के साथ जुड़ गई और उन्होंने धन प्रबंधन पर प्रशिक्षण लेने के बाद 20,000 रु का पहला ऋण लिया, इससे उन्होंने स्टेशनरी-कम-फैंसी स्टोर शुरू किया। तब से निर्मला ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और लगातार अपना काम बढ़ा रही हैं। अब वे अपने परिवार की जरूरतों को पूरा कर पाती हैं। अब वे ऋण के तीसरे चक्र में हैं और अपनी दुकान का काम बढ़ाने के लिए रु 50,000 का ऋण ले चुकी हैं। आय बढ़ने के कारण अब वे अपने बच्चों को अच्छे स्कूल में

भेज पाती हैं। निर्मला छत्तीसगढ़ की ऐसी कई महिला उद्यमियों में से एक हैं जिन्हें संबंध फिंसर्व से सहयोग मिला है और वे आत्मनिर्भर बन चुकी हैं तथा अपने परिवार की आय बढ़ाने में योगदान दे रही हैं। अपने ग्राहकों को आसान ऋण सुविधाएं उपलब्ध करकर संबंध 15 लाख से अधिक लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पैदा कर चुका है। कंपनी पूर्वी भारत और छत्तीसगढ़ के 24 जिलों में सूक्ष्म ऋण सुविधाएं मुहैया कराती है। कंपनी ने कई स्थानीय महिला उद्यमियों को उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने में मदद की है। उनके सपनों को साकार कर उनके जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाया है।